ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोत्र

जनपद में वैकल्पिक ऊर्जा विकास संस्थान (नेडा) द्वारा संचालित योजनाओं का विवरण निम्न प्रकार है।

- **सोलर कुकर** :– यह खाना बनाने का आधुनिक साधन है इसमें सभी प्रकार के खाने/व्यंजन पकाये जा सकते है। इसमें पका खाना अधिक पौष्टिक एवं स्वादिष्ट होता है। सोलर कुकर में धूप से या धूप न हो तो कम विजली खर्च कर खाना पकाया जा सकता है अब नए प्रकार का सोलर कुकर भी विकसित किया गया है जो पैराबोलिक सोलर कुकर के नाम से जाना जाता है। इसमे सौर ऊर्जा के स्थान पर केन्द्रित किया जाता है जहॉ पर तापमान 350–400 डिग्री सेन्टीग्रेट तक हो जाता है। इस स्थान पर प्रेशर कुकर/भगौना आदि रखा जा सकता है और खाना तीव्र गति से तैयार हो जाता हैं। साधारण सोलर कुकर का मूल्य 2500 रू0 तथा पैराबोलिक सोलर कुकर का मूल्य 3150 रूपया (अनुदान के बाद) है।

- **सोलर घरेलू लाईट** :– इस संयंत्र के द्वारा घर में दो ट्यूब लाईट तथा एक पोर्टेबिल टी0 बी0 चलाया जा सकता है। इस संयंत्र में 35 वाट का एक सोलर पैनल होता है जो दिन में सूर्य की ऊर्जा ग्रहण कर बैटरी में स्टोर करता है और रात में आवश्यकतानुसार ऊर्जा का उपयोग किया जा सकता है। सोलर लाईट का मूल्य रू0 10900.00 है जो अनुदान पर रू0 6265.00 में उपलब्ध करायी जाती है।

- **सोलर लानटेन** :– प्रकाश व्यवस्था हेतु पोर्टेबिल संयंत्र है। इसमें किसी प्रकार का कोई प्रदूषण नही होता है। संयंत्र का कुल मूल्य रू0 3085 है जो अनुदान के उपरान्त मात्र रू0 1785 में देय है।

- **सोलर वाटर हीटर** :– इस संयंत्र के द्वारा 60 सेन्टीमीटर पर गर्म पानी प्राप्त किया जा सकता है। संयंत्र 100, 200, 500, 1000 लीटर एवं और अधिक क्षमता में भी उपलब्ध है। 100 लीटर क्षमता के सोलर वाटर हीटर का मूल्य लगभग रू0 21000 है। सोलर वाटर हीटर लगाने में आयकर में छूट का प्राविधन है। सोलर वाटर हीटर स्थापना हेतु 05 प्रतिशत ब्याज की दर पर यूनियन बैंक आफ इंडिया की ओर से ऋण सुविधा भी उपलब्ध है।

- **सोलर पम्प** :– सिचाई कार्य हेतु 02 हार्स पावर का सोलर पम्प विकसित किया गया है जो 06 मीटर सकशन हेड तक कार्य करेगा। सोलर पम्प का कुल मूल्य रू0 4.56 लाख है जो मात्र रू0 75000 में दिये जाने की योजना है जिससे डीजल/बिजली की बचत होती है।

- **गैसीफायर संयंत्र** :– सिंचाई कार्यो एवं औद्योगिक कार्यो हेतु 03 किलो वाट से 100 किलो वाट तक क्षमता में गैसीयफायर संयंत्र विकसित किये गये है जिसमें मात्र 30 प्रतिशत डीजल की खपत होती है शेष 70 प्रतिशत लकड़ी जलाकर ऊर्जा उपन्न की जाती है। विभिन्न साईज के गैसीय संयंत्रो पर अपारम्परिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय भारत सरकार की ओर से अनुदान देय है।

PDF created with FinePrint pdfFactory Pro trial version www.pdffactory.com